डेंगू के मरीज बढ़े, अस्पताल की व्यवस्थाएं बेबस

बाड़मेर जिला अस्पताल और वेदान्ता अस्पताल के सभी वार्ड फुल

बाड़मेर में डेंगू के मरीज बढ़ने से अस्पताल में बैड कम पड़ रहे हैं।

धोरीमन्ना अस्पताल की अव्यवस्थाओं से परेशान लोग।

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर में करोना के कहर के बाद अब डेंगू के डंक ने सांसें फूला दी है। मौसमी बीमारियों के बीच बाड़मेर में डेंगू का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। लगातार बढ़ते मरीजों से जिला अस्पताल के वार्डों के बेड फुल हो गए है और लगातार डेंगू मरीजों में बढ़ोतरी के चलते वेदान्ता का सौ बेड का फील्ड अस्पताल भी अब हाउसफुल हो चुका है।

बीते चार दिनों की बात करें तो जिला अस्पताल में औसतन हर रोज 150 मरीज भर्ती हो रहे हैं। इससे जिला अस्पताल के बाद अब वेदान्ता का डोम अस्पताल भी फुल हो चुका है। स्थानीय चिकित्सकों ने अब तक करीब 150 डेंगू मरीजों को हाई सेंटरों पर रेफर किया है। वहीं सैकड़ों मरीज डॉक्टरों को बिना बताए ही हाई सेंटरों पर इलाज करवाने पहुंच गए हैं। दरसअल बीते चार दिनों से अस्पताल में दीपावली की छुट्टियां चल रही है। इन दिनों में हर रोज औसतन 150 मरीज अस्पताल में भर्ती हो रहे है। बीते 20 दिनों से मरीजों में बढ़ोतरी के कारण अस्पताल में बेड कम पड़ने लगे है। वहीं अस्पताल प्रबंधन बेड बढ़ाने की योजना बना रहा है।

वेदान्ता फील्ड अस्पताल में तैनात फिजिशियन डॉ. मनीष बैरवा ने बताया कि पिछले दो दिनों से डेंगू के मरीजों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उनके अनुसार फील्ड अस्पताल में फिलहाल 104 मरीज भर्ती है जिनका उपचार जारी है। बैरवा के अनुसार गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल में रखा जा रहा है। वहीं अन्य मरीजों को वेदान्ता के फील्ड अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल में अब तक 1500 से अधिक डेंगू मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है। अस्पताल में एलाइजा टेस्ट के किट नहीं होने के कारण कई मरीजों के डेंगू कार्ड भी लगाए गए है। डेंगू कार्ड और प्राइवेट लैब से डेंगू की पुष्टि को विभाग वास्तविक नहीं मान रहा है।ऐसे में डेंगू रोगियों की संख्या अधिक होने के बावजूद कहीं ना कहीं असल आंकड़े सामने नहीं आ पा रहे है।

धोरीमन्ना में मरीज परेशान :- राजकीय चिकित्सालय धोरीमन्ना में अव्यवस्थाओं के चलते मौसमी बीमारियों की मार मरीज झेल रहे है। धोरीमना क्षेत्र के पचास ग्राम पंचायतों के लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में डेंगू की क्षेत्र में कहर होने से रोजाना सैकडों डेंगू पीड़ित आते हैं, लेकिन राजकीय अस्पताल में जांच की वह बेड की व्यवस्था नहीं होने से मरीजों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। एक बेड पर 3 - 3 मरीज इलाज करवा रहे है।

लोगों के अनुसार डॉक्टरों के अपने निजी चिकित्सालय खोलने की वजह से हॉस्पीटल में तैनात कर्मचारी प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं व मरीजों को निजी अस्पतालों में भेज देते हैं । हर कर्मचारी निजी अस्पतालों की कमीशन खोरी की वजह से मरीजों को जबरदस्ती निजी अस्पताल भेजा जा रहा है। जिससे गरीब लोगों को भारी आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नि:शुल्क दवाएं नहीं के बराबर दी जा रही है। अस्पताल में मशीनें उपलब्ध होने के बावजूद जांच नहीं कर निजी लेबोरेटरी में भेजे जा रहे हैं।

राजकीय चिकित्सालय धोरीमना में परिसर में गंदगी फैली हुई है। जिससे मरीज के साथ आने वाले परिजन भी संक्रमित हो रहे हैं। अस्पताल में नियत समय पर डॉक्टर भर्ती मरीजों को देखने को समय पर नहीं आने से बुलाने पर भी बड़ी मुश्किल से आते है। जिससे अस्पताल में भर्ती मरीजों को सही इलाज नहीं मिलने से लगातार स्वास्थ्य बिगड रहा है । अस्पताल में भर्ती मरीज व उनके परिजनों में भारी रोष है। तथा जिन मरीजों को निजी अस्पताल जबरदस्ती भेजा गया। वह भी आक्रोशित हैं। यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जनता आंदोलन को मजबूर होगी।

धार के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन 26 खिलाड़ी राज्य स्तर पर चयनित

जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता उदयपुर में हुई सम्पन्न

उदयपुर में राज्य स्तर के लिए चयनित हुए खिलाड़ी।

उदयपुर, (कासं)। 65वीं जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धार के 26 खिलाडियों का चयन विभिन्न खेलों में उदयपुर टीम में हुआ है, जोकि राज्य स्तर पर अपना कौशल दिखाएंगे।

प्रधानाचार्य डॉक्टर सत्यनारायण सुथार के अनुसार शारीरिक शिक्षक नीरज बत्रा द्वारा प्रशिक्षित खिलाडियों क्रिकेट बालिका 17 वर्ष वर्ग में गोमती गमेती, भगवती गमेती, यशोदा गमेती रीतु लोढ I, डाली कुमारी गमेती, जमकू गमेती व डाली गमेती एवं 19 वर्ष वर्ग में डिंपल कुंवर, चंदा कुंवर, चंदा गमेती मीरा गमेती , महिमा मेघवाल व मीरा गमेती उदयलाल हैंडबॉल 19 वर्ष बालिका वर्ग में हेमली गमेती, टीना गमेता, सुनीता गमेती, संगीता कुमारी गमेती, हिना गमेती व 17 वर्ष बालिका वर्ग में गोमती कुमारी गमेती, कृष्णा गमेती, टाकू कुमारी गमेती ,रक्षा पालीवाल, आशा गमेती एवं 17 वर्ष बालक वर्ग में सुरेश गमेती,दौलत राम गमेती तथा एथलेटिक्स 17 वर्ष वर्ग में खुमाराम गमेती का चयन राज्य स्तर पर हुआ है।

धार की इन प्रतिभाओं के चयन पर मोहनलाल सुखाडिया विवि के कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉक्टर गजेंद्र सिंह चौहान, वण्डर क्रिकेट एकेडमी के मनोज चौधरी जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज भटनागरए राउंड टेबल इंडिया के नवदीप सिंहए सौरभ जैनए आदित्य विक्रम सोमानी, कपिल सुराणा चौकसी हेरियस के प्रवीण यादव खेल अधिकारी शकील हुसैन धार सरपंच भगवती देवी जिला परिषद सदस्य वक्ता गमेती आदि ने खुशी जाहिर कर शुभकामनाएं प्रेषित की है, वहीं शारीरिक शिक्षक नीरज बत्रा ने कहा है कि अगर इन प्रतिभाओं को अच्छा खेल मैदान एवं सुविधाएं मिले तो ये खिलाडी राज्य ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम फहरा सकते हैं।

जमीन विवाद में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट, दो गिरफ्तार

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर के ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत दीपावली के दिन दो गुटों के बीच जमीन विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची तो आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के साथ ही मारपीट करते हुए वर्दी फाड दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।वही दो पक्षों ने भी क्रॉस केस दर्ज करवाये है। इस घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हुआ है।

ग्रामीण पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 नवंबर को टेलीफोन पर थाने को सूचना मिली कि हल्का क्षेत्र के मोजा शिव भाखरी नाँद गाव में दो पक्षों में जमीन को लेकर आपस में झगडा हो रहा है जिस पर ईतला की पुष्टी व कार्यवाही के लिए सहायक उप निरीक्षक भवरलाल, प्रभारी पुलिस चौकी विशाला मय बावर्दी जाब्ता रवाना होकर शिव भाखरी नांद मौके पर पहुंचा जहा पर ओमप्रकाश पुत्र तगाराम जाति जाट निवासी शिव भाखरी नांद व प्रहलादराम पुत्र अचलाराम जाति जाट निवासी शिव भाखरी नांद आदि जमीन के विवाद को लेकर आपस में मरने मारने पर उतारू हो रहे थे। मौके पर पहुँची पुलिस द्वारा समझाईश की गई । इसी दौरान ओमप्रकाश , उसका पिता तगाराम,भाई गोरखाराम, लक्ष्मणसिह सभी ओमप्रकाश की पत्नि खैमीदेवी को पुलिस टीम के कपड़े फाडने,पत्थर फेकने के लिए उकसाने लगे और आवेश में आकर गाली गलौच करते हुए पुलिस कॉनिस्टेबल हनुमानराम को पकड़ कर घर के आंगन में नीचे पटककर सभी उसके उपर पड़कर मारपीट करने लगे और वर्दी को फाड दिया।

मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने कॉन्स्टेबल हनुमानराम को बडी मुश्किल से छुडाया तथा ओमप्रकाश व प्रहलादराम दोनो निवासी शिव भाखरी नॉद को शांतिभंग के तहत गिरफतार किया। इस घटना को लेकर सहायक उप निरीक्षक भवरलाल ने आरोपी ओमप्रकाश वगैरा के विरुद्ध राजकार्य में बाधा पहुँचाने व मारपीट करने को लेकर प्रकरण दर्ज करवाया है।

युवक की जेब से 90 हजार रुपए पार

अजमेर, (कासं)। रविवार को बाजार में खरीददारी करे एक युवक की जेब से अज्ञात शातिरों ने 90हजार रुपए पार कर लिए। पीड़ित युवक ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई, पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

कैलाशपुरी वैशाली नगर अजमेर निवासी दिवित माहेश्वरी ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने परिचित के साथ मोटर साईकिल से खाइलेंड मार्केट खरीददारी करने गया था, जब वहां पर पेंट की पीछे वाली जेब से अज्ञात जेब कतरे ने 90हजार रुपए निकाल लिए। इस बात की जानकारी बाद में पता चली। जेबकतरे के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर करवाया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मार्बल क्रेजी से भरे डम्पर में आग लगी

■ मची अफरा-तफरी, नगर परिषद दमकल ने बुझाई आग

राजसमंद, (निसं)। उदयपुर-गोमती हाईवे स्थित पीपरडा-बडारडा के समीप मार्बल क्रेजी से भरकर ले जा रहे एक डम्पर में डीजल टैंक फटने से अचानक आग लग गई । गनिमत रही कि समय रहते चालक व खलासी डम्पर से कूद कर अपनी जान बचा ली। हादसे के डम्पर चालक व खलासी सहित वहां से गुजर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची राजनगर थाना पुलिस ने दमकल की सहायत से डम्पर की लगी आग पर काबू पाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार रविवार को दिन में एक डम्पर सेवाली की ओर से मार्बल क्रेजी भरकर आ रहा था। इसी बीच पीपरडा-बडारडा बाईपास पुल के समीप अचानक एक्सल टूटने से डीजल टैंक फट गया। जिससे डम्पर ने आग पकड ली और देखते ही देखते डम्पर का कैबिन भी धूं-धूं कर जल उठा। इसी बीच मौका पाते ही डम्पर चालक व खलासी ने कैबिन से कूद कर अपनी जान बचा ली। कैबिन के जलने से हाईवे पर भी धुंआ ही धुंआ हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड लग गई जिससे हाईवे पर जाम जैसी स्थिति हो गई।

इधर, घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची राजनगर थाना पुलिस ने दमकल बुलाकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और यातायात सूचारू किया। हालांकि आगजनी से कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन, घटना के बाद डम्पर चालक व खलासी दोनों मौके से फरार हो गए। घटना को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

पीपरडा के समीप फोरलेन पर डीजल टैंक फटने से अचानक लगी आग से जला डम्पर का कैबिन।

पेयजल परियोजना अटकी, पानी के लिए धरना जारी

सिवाना, (निसं)। पोकरण-फलसुंड - बालोतरा - सिवाना पेयजल परियोजना का बालोतरा सिवाना के मध्य अधूरे पड़े कार्य पर दस किलोमीटर पाईप लाईन बिछाने व वाटर स्टोरेज टैंक के अधूरे पड़े कार्य तथा सिवाना कस्बे में चार जल संग्रहण के उच्च जलाशय के निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करवाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अहिंसात्मक धरना रविवार को 259 वें दिन भी जारी रहा।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर प्रतिदिन लगातार मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिए जा रहे। रविवार को नायब तहसीलदार ओम प्रकाश श्रीमाली को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि वर्तमान में सिवाना कस्बे सहित क्षेत्र के 101 गांवों में भूजल स्तर नीचे चले जाने के कारण लम्बे समय से क्षेत्रवासियों को पेयजल समस्या से झूझना पड़ रहा है। गौरतलब रहे कि पिछले 2003 में पोकरण-फलसुंड-बालोतरा-सिवाना पेयजल परियोजना शुरू की गई थी । जिसका कार्य अंतिम चरण में अधूरा पड़ा हैं। ज्ञापन में बताया कि बालोतरा-सिवाना के मध्य दस किलोमीटर पाईप लाईन बिछाने, तथा कस्बे के पादरडी रोड पर पूरे तहसील क्षेत्र के गांवों के लिए पेयजल स्टोरेज टैंक का कार्य भी बन्द पड़ा हैं। इसके साथ ही सिवाना कस्बे में चार अलग - अलग जोन में प्रस्तावित चार पेयजल संग्रहण के उच्च जलाशय (ईएसआर) निर्माण की स्वीकृति भी अभी तक नही हो पाई हैं। ग्रामीणों ने अपनी मांगों में अधूरे पडे कार्यो को जल्द पूरा करने व कार्यों की स्वीकृति को लेकर मांग की।

सिवाना में पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

सिवाना संघर्ष समिति के पदाधिकारी महेन्द टाइगर ने बताया की हम ग्रामीण पिछले 259 दिनों से तहसील कार्यालय के आगे अनिश्चितकालीन अहिंसात्मक धरने पर बैठे हैं। तत्काल प्रभाव से उपरोक्त मांगों पर गौर करते हुए अधूरे पड़े पाइप लाइन बिछाने व पेयजल स्टोरेज टैंक निर्माण कार्य को पुन: शुरू करवाने व चार उच्च जलाशयों की स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य करवाने की शुरू कराएं।

बस की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

अजमेर, (कासं)। अजमेर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में रविवार को लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए रोडवेज बस के चालक ने स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे महिला उछलकर दूर जा गिरी और रोडवेज बस का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर अलवर गेट थाने के एएसआई किशन दत्त पहुंचे और उन्होंने शव को किनारे रखवा कर घायलों को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। एएसआई दत्त ने बताया कि रोडवेज बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे संजना की मौत हो गई।

युवक-युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

■ लड़की के पिता ने गुमशुदगी भी दर्ज करवा रखी थी

आहोर, (निसं) । आहोर थाना क्षेत्र के हरियाली गांव में एक प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक युवक व युवती के बीच पिछले काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

रणछोडराम (23) पुत्र चौथाराम मेघवाल व गुड्डी (18) पुत्री रावाराम मीणा दोनो निवासी हरियाली रात को बिना बताए घर से निकल गये थे। घर से लापता होने के बाद गुड्डी के पिता ने पुलिस में गुमशुदगी भी दर्ज करवा रखी थी। रविवार सुबह जवाई नहरी क्षेत्र में चरवाहे ने दोनो के शव पेड़ से लटकते हुए देखने पर इसकी सूचना गांव में दी। इसके बाद आहोर थाने के एएसआई मोटाराम मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और शवो को फंदे से नीचे उतारकर आहोर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया है।

एक्सपीरियेंशियल टूरिज्म कराने वाली एजेंसीज को मान्यता देगा विभाग

■ वाटर स्पोर्ट्स एडवेंचर और पेरासेलिंग को पसंद कर रहे लोग

उदयपुर, (कासं)। पर्यटन विभाग लेक सिटी में अब एक्सपीरियेंशियल टूरिज्म का अनुभव प्रदान करने वाली एजेंसीस को मान्यता प्रदान करेगा।

पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार लेकसिटी कहे जाने वाले उदयपुर में पर्यटकों का आना जान लगा रहता है। पर्यटकों को यहां के महल, इमारतें, झीले, खान.पान, रहन.सहन के साथ मेहमान नवाजी भी बेहद लुभाती है। वहीं पर्यटन विभाग यहां आने वाले पर्यटकों के लिए नए.नए प्रयास करता रहता है। वॉटर स्पोर्ट्स का एडवेंचर करना हो या फिर पेरासेलिंग जैसे एयरो स्पोर्ट्स का मजा लेना हो। इस तरह के रोमाचंक अनुभव प्रदान करने वाले पर्यटन को पर्यटन लोग अधिक पसंद करते है। यही कारण है कि जिस जगह जो घूमने जा रहे हैए वहां इस तरह की गतिविधियां हो रही है या नहींए वे इस बारे में जरुर पता करते है और उसका लुत्फ उठाते है। पर्यटन के क्षेत्र में इसी तरह के विभिन्न तरह के अनुभव प्रदान करने वाली पर्यटन एजेंसीज को अब पर्यटन विभाग का सहयोग भी मिलेगा। दरअसलए पर्यटन विभाग अब एक्सपीरियेंशियल टूरिज्म का अनुभव प्रदान करने वाली एजेंसीस को मान्यता प्रदान करेगा।

पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में नया कॉन्सेप्ट् ट्रेंड में हैए जिसमें पर्यटकों की रुचि अब बकेट लिस्ट डेस्टिनशन्स से बकेट लिस्ट एक्सपीरिएन्सेस पर शिफ्ट हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में विभाग द्वारा नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इसके तहत वो टूरिज्म एजेंसीजए जो पर्यटकों को पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे एडवेंचरए वैलनेसए वाइल्ड लाइफए रुरलए इको टूरिज्म में रोचक और समग्र अनुभव प्रदान कर रही है। वो विभाग से मान्यता प्राप्त कर सकती है। एक्सपीरियेंशल टूरिज्म बिजनेस में वो एजेंसीज जो एक साल का अनुभव रखती है। और जिनका अपना प्रबंधन स्टाफ हो वो आवेदन कर सकती है।प्रारंभ में 3 साल के लिए मान्यता प्राप्त होगी। जिसका 3 साल के लिए नवीनीकरण किया जा सकेगा।

'पैट्रोल डीजल पर मात्र 5 से 10 रुपए कम करना गरीबों के साथ मजाक'

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा के पूर्व विधायक करणसिंह राठौड ने केंद्र सरकार द्वारा पैट्रोल का दाम पांच और डीजल दस रुपए कम कर के देश की ही जनता का मजाक उडाया गया है। राठौड ने कहा कि जहां 70 से 80 रुपए बडा कर के मामूली से दाम 5 से 10 रुपए कम करके बताया जा रहा है की दिवाली का तोहफा हे, जबकि लोकसभा चुनाव में मिली हार के कारण पूरे देश में एक्साइज ड्यूटी कम की गई है।

कांग्रेस सरकार के शासन में डीजल साठ प्रति लीटर और पेट्रोल पैंसठ प्रति लीटर पर था, जिसको भाजपा की केंद्र सरकार ने साठ प्रति लीटर तक बढ ा दिया। रसोई गैस 365 को 1000 रुपए तक बढाया। खाद्य तेल पचास किलो रुपए को दो सौ रुपए किलो, दाले को साठ से एक सौ बीस रुपए तक बढाया। सब्जियों के दामों में लगातार वृद्धि हो रही है। रेत, सीमेंट, लोहा व रेल किराया में भी पचास प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। किसानों के काम में आने वाले उपकरण कृषि यंत्र, खाद, बिज, कीटनाशक दवाइयां के भी दामों में पचास प्रतिशत की वृद्धि की गई है। गरीबों को महंगाई से और बेरोजगारों को रोजगार के लिए दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर किया गया है।

टिकिट वितरण की गलती से उपचुनाव हारे, निराशा छोड़कर आक्रामक बने रहें : राजावत

उपचुनावों के टिकट वितरण में हाईकमान का आकलन उचित नहीं रहा

पूर्व संसदीय सचिव भवानी सिंह राजावत ने कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित किया।

कोटा, (निसं)। पूर्व संसदीय सचिव भवानी सिंह राजावत ने कहा है कि वल्लभनगर और धरियावद उपचुनावों में टिकिट वितरण में हाईकमान का आंकलन उचित नहीं रहा जिसकी वजह से पार्टी को शर्मनाक हार का मुंह देखना पड़ा, अगर वल्लभनगर में पार्टी अपने ही कार्यकर्ता रहे रणधीर सिंह भींडर या उदयलाल डांगी को और धरियावद में गौतम मीणा के बेटे कन्हैयालाल मीणा को टिकिट दे देती तो दोनों सीटें भाजपा की होती और भाजपा की जगह कांग्रेस की जमानत जब्त हो जाती। हालांकि चुनावों में हार जीत चलती रहती है लेकिन आने वाला समय भाजपा का ही है, इसलिए कार्यकर्ता निराशा छोड़कर कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ हमलावर बने रहे।

अपने कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि होली दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों पर आपस में मिलने जुलने की प्रवृत्ति खत्म होती जा रही है जो घातक है, आधुनिक तकनीकी के उपकरण मोबाईल ने लोगों के आपसी मेलजोल को बहुत प्रभावित किया है, यह सही है कि मोबाईल उपयोगी उपकरण है लेकिन इन त्यौहारों पर इसे कमरे में बन्द करके कार्यकर्ताओं को आपस में मिलना और स्नेह का संचार करना चाहिए। हमारे दिवंगत नेताओं कृष्ण कुमार गोयल, दाऊदयाल जोशी, ललित किशोर चतुर्वेदी, रघुवीर सिंह कौशल, हरिकुमार औदिच्य के यहां इन पर्वों पर उत्साहित कार्यकर्ताओं के रैले उमड़ते थे वहीं आज नेताओं के यहां वीरानी छाई रहती है।

इसी प्रकार संघर्ष की प्रवृत्ति भी धीरे धीरे खत्म होती जा रही है, जबकि चाहे हमारा राज हो या न हो अन्याय, जुल्म और अत्याचार के खिलाफ हमें लड़ते रहना पड़ेगा क्योंकि जनता हमसे ही उम्मीद और अपेक्षा करती है और उस पर खरे उतरना हमारा धर्म है, अगर यह लड़ाई लड़ना हमने छोड़ दिया तो अधिकारी वर्ग निरंकुश हो जायेगा। हमारे मार्गदर्शक रहे यह नेता स्कूटर, मोटरसाईकिल पर शहर की गलियों से लेकर गांव की चौपाल तक जनता के सुख दुख में भागीदार रहत थे, आज हमारी पार्टी के नेता लोगों से राम राम करने के बजाय लक्जरी कारों के काले शीशे चढ़ ाये घूमते रहते हैं, ऐसी कार्यशैली से जनता दूर होती जायेगी, अब इन हालातों को सुधारने की जरूरत है। यह सत्य है कि आधुनिक तकनीकी उपयोगी है लेकिन पीढ़ि यों की परम्परा को संजोना भी जरूरी है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं कोटा स्टोन एसोसियेशन के अध्यक्ष सुरेश मित्तल, मण्डल अध्यक्ष हुकमचन्द शर्मा, मण्डल अध्यक्ष नेमीचन्द नागर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष मनीष गालव, मण्डल महामंत्री कमलेश गौतम, भामाशाह मण्डी गोपेश मालव, ओबीसी मोर्चा के प्रेमराज बंजारा, किसान मोर्चा महामंत्री महावीर सुमन, पूर्व मण्डल अध्यक्ष कान सिंह, एससी मोर्चा के पंकज घेंघट, घुमंतु प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री घासी लुहार, पूर्व पार्षद मधुकंवर हाडा, हेमकंवर हाडा, वार्ड अध्यक्ष हुकम सिंह, पूर्व वार्ड अध्यक्ष जयराज सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया।